रणजीत टाइम्स

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर शनिवार 21 फरवरी 2026 | Digital Edition | प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

तकनीक तभी सार्थक जब वह मानव हित में हो, हम एआई को सुशासन और सबके विकास के लिए अपनाएंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

निर्भय होकर एआई से प्रदेश के विकास की सभी संभावनाओं पर करेंगे काम

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कोई भी नई तकनीक तभी सार्थक है, जब वह मानवता के हित में अवसरों से भरपूर और कारगर हो। हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) को नवाचार के साथ सबके विकास, सामाजिक समरसता, सुशासन और देश-प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साधन के रूप में अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि भारत आज डिजिटल परिवर्तनों को अपनाकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में एआई कृषि, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन उद्योग और प्रशासन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एआई के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ेगी, निर्णय प्रक्रिया तेज होगी और आम नागरिक तक योजनाओं का लाभ भी अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय एकता और सामूहिक संकल्प का आह्वान करते हुए कहा कि देश के विकास के लिए सभी को मिलकर आगे बढ़ना होगा। हम सब एकजुट होकर एआई के माध्यम से भारत को

समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। एआई तकनीक हमारे लिए अवसर भी है और जिम्मेदारी भी। शीघ्र ही मध्यप्रदेश स्टेट एआई मिशन लांच करेगा, जो शासन प्रणाली, सार्वजनिक सेवाओं और आर्थिक अवसरों को तकनीक आधारित रूप में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम् में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के समापन सत्र में सहभागिता की। उन्होंने भारत मंडपम् स्थित भोपाल मीडिया सेंटर में नेशनल मीडिया करेस्पांडेंट्स से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के भविष्य और इसके इस्तेमाल पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एआई से निर्भय होकर देश के हित में काम करने पर जोर दिया है। हमारी सरकार प्रदेश की समृद्धि के लिए सभी चुनौतियों से उबरकर तेज गति से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें मध्यप्रदेश भी अपनी बड़ी भूमिका निभा रहा है। मध्यप्रदेश, भारत का 5वां बड़ा राज्य है। राज्य के चिकित्सा क्षेत्र में एआई की मदद से सही समय पर बीमारियों की पहचान और उनका निदान एवं सुदूर अंचलों तक बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। मध्यप्रदेश में नए-नए उद्योग स्थापित करने के लिए हमारे पास पर्याप्त भूमि और पानी उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एआई को नये जमाने की नई वैज्ञानिक विधा बताते हुए इसके जिम्मेदारीपूर्ण और मानवीय उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एआई तकनीकी प्रगति के माध्यम के साथ मानव जीवन की गुणवत्ता सुधारने का सशक्त साधन भी है। भारत जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्र के लिए यह आवश्यक है कि एआई का विकास और उपयोग भारतीय मानवीय मूल्यों के संरक्षण के साथ हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में प्रतिभा, संसाधन और दृष्टि, तीनों का अद्वितीय संगम मौजूद है। सही दिशा में एआई का उपयोग कर हम अपने देश को वैश्विक एआई परिदृश्य में अग्रणी भूमिका में ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि एआई का भविष्य इसकी तकनीकी श्रेष्ठता, नैतिकता, पारदर्शिता और समावेशिता में निहित है। यह हम पर है कि हम इसका उपयोग किस तरह, किस दिशा में और किस लक्ष्य के लिए कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा प्रदेश देश के मध्य में स्थित है। हमारे पास पर्याप्त लैंड बैंक है। प्रदेश में एआई आधारित एक बड़ा डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा। इस डेटा सेंटर की स्थापना के लिए हमने बड़े निवेशकों और कम्पनियों को भी आमंत्रित किया है। एआई के जरिए प्रदेश के तकनीकी विकास और समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण को गति मिलेगी। प्रदेश के नागरिकों के कल्याण के लिए हम हर सेक्टर में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है। किसानों और युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध होगी। किसानों के लिए फसलों में होने वाली बीमारियों की सही समय पर जांच और उपचार करने से उत्पादन में लाभ मिलेगा।

बंगाल सरकार और चुनाव आयोग के आरोप-प्रत्यारोप पर सुप्रीम कोर्ट नाराज, कलकत्ता हाईकोर्ट को निर्देश

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच विवाद जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने शु वार को कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को इस प्र िया में सहयोग के लिए न्यायिक अधिकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि सरकार और आयोग के बीच विश्वास की कमी के कारण एसआईआर ड्राफ्ट रोल से जुड़े दावे और आपत्तियों का निपटारा और निगरानी सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारी करेंगे। साथ ही जरूरत पड़ने पर पूर्व जजों की सेवाएं भी ली सकती हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों के आदेश अदालत के आदेश माने जाएंगे। कलेक्टर और एसपी को इन आदेशों का पालन कराना होगा।

24 फरवरी को भोपाल आएंगे राहुल गांधी और खड़गे

भोपाल। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 24 फरवरी को भोपाल आएंगे, जानकारी के मुताबिक यहां किसानों से जुड़ा एक बड़ा सम्मेलन आयोजित होगा। कांग्रेस ने ऐलान किया है कि अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील के विरोध में राष्ट्रव्यापी आंदोलन की शुरुआत मध्य प्रदेश से की जाएगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि इस समझौते से सोयाबीन, कपास और मक्का उत्पादक किसान सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। उन्होंने बताया कि किसानों के हितों की इस लड़ाई को राहुल गांधी और खड़गे के नेतृत्व में देशभर में आगे बढ़ाया जाएगा, जिसकी शुरुआत मध्य प्रदेश से होगी।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर नाथुनपुर में शाह ने 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II' का किया शुभारंभ

कछार।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कछार जिले के भारत-बांग्लादेश सीमा स्थित नाथुनपुर में 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II' का शुभारंभ किया। इस अवसर को क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए उन्होंने कहा कि सीमावर्ती गांव अब देश के विकास के नए केंद्र बनेंगे। कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने सीमावर्ती गांवों को राष्ट्र के प्रथम गांव की नई पहचान देने की बात कही। केंद्रीय गृहमंत्री के साथ मुख्यमंत्री ने असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत लगाए गए 20 स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल का भी अवलोकन किया और महिला उद्यमियों से संवाद किया। इन स्टॉलों में स्थानीय हस्तशिल्प, वस्त्र और अन्य उत्पाद प्रदर्शित किए गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल बराक घाटी की महिलाओं में आत्मनिर्भरता की बढ़ती भावना को दर्शाती है और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।'

शाह मानहानि केस-राहुल गांधी का आरोपों से इनकार कहा-

राजनीतिक साजिश में फंसाया

सुल्तानपुर में मोची के परिवार से मिले

नई दिल्ली।

गृह मंत्री अमित शाह पर टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को यूपी में सुल्तानपुर की MP/MLA कोर्ट में पेश हुए। उनके वकील के मुताबिक, राहुल ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह केस राजनीतिक दुर्भावना के तहत दर्ज कराया गया है। इसमें कोई ठोस आधार नहीं है। पेशी के दौरान मौजूद वकीलों के अनुसार, कोर्ट पहुंचने पर राहुल ने जज को हाथ जोड़कर प्रणाम किया। सुनवाई पूरी होने पर धन्यवाद भी कहा।

जज ने राहुल से पूछा कि क्या आपको सफाई देनी है? इस पर राहुल ने कहा- जी हां। राहुल करीब 20 मिनट तक कोर्ट में रहे। मामले की अगली सुनवाई 9 मार्च को होगी। कोर्ट से निकलने के बाद राहुल रामचेत मोची की दुकान पहुंचे और उनके परिवार से मुलाकात की।

वशिष्ठ धाम को अयोध्या धाम से जोड़ा जाए-जगद्गुरु रामभद्राचार्य

बस्ती ।

महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढ़नी मिश्र में शुक्रवार को जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने गुरू वशिष्ठ रामायण कथा के तीसरे दिन अपने पैतृक गांव बढ़नी मिश्र में गुरू वशिष्ठ, माता अरून्धती , श्रीराम, लक्ष्मण , भरत , शत्रुघ्न और अन्य देवी देवताओं के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा की। जगदगुरु रामभद्राचार्य जी ने पूर्व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा व बस्ती की डीएम कृत्तिका ज्योत्सना से कहा की वशिष्ठ धाम को अयोध्या धाम से जोड़ा जाए वशिष्ठ धाम को पर्यटन से जोड़ा जाए। कहां कि बढ़नी मिश्रा के लोग हमारा परिवार है, वशिष्ठ आश्रम पर हमारे लिए कुटी बनाई जाए ताकि जब मेरा मन कर मैं अपने परिवार के बीच इस कुटी में आकर रह सकूं। उन्होंने कहा की चित्रकूट की तरह

गुरुकुलम की एक शाखा वशिष्ठ धाम में भी खुले वह वशिष्ठ जी की तरह चारों चारों भाइयों को बैठाकर उनसे संवाद कर रहे थे। आचार्य प्रभाकर मिश्र, नीरज पारसर, मोहितदास, जितेन्द्र तिवारी, संजय तिवारी, हर्ष मिश्र, हरदेव वशिष्ठ, वेणु गोपाल, श्रीधर अधिकारी और राकेश अग्निहोत्री ने जगदगुरु रामभद्राचार्य जी के मार्ग दर्शन में वशिष्ठ धाम मंदिर में विधि विधान से मूर्तियों में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान सम्पन्न कराया। तीसरे दिन गुरू वशिष्ठ रामायण कथा को विस्तार देते हुये जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि श्री राम अपने भाइयों के साथ बचपन में ऋषि वशिष्ठ आश्रम गए थे ताकि शिक्षा प्राप्त कर सकें, राजपरिवार के कर्तव्यों को सीख सकें और अवध के आदर्श भावी राजा बनने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। बाद के जीवन में भी रामजी अपने जीवन में आने वाली किसी भी शंका, उलझन या समस्या के समाधान के लिए वशिष्ठ के निरंतर संपर्क में रहते थे। श्री राम के परिवार के राजपुजारी होने के नाते वशिष्ठ का भावी राजा की सहायता करना नैतिक कर्तव्य था। वे भारत के सात महान ऋषियों में से एक थे। उन्होने श्री गुरु वशिष्ठ महिमा के अनेक प्रसंग सुनाकर श्रोताओं को अनेक पौराणिक जानकारी दिया। कथा के तीसरे दिन हिमांचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला भी पहुंचे। आयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह, नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने गुरूकुल निर्माण के लिये 1 लाख 51 हजार रूपये की राशि गुरू चरणों में समर्पित किया। मुख्य यजमान चन्द्रभूषण मिश्र, सतीश मिश्र, शिवपूजन श्रीवास्तव, शशिकान्त मिश्र, आशुतोष मिश्र, शरद श्रीवास्तव ने विधि विधान से चरण पादुका का पूजन किया।

नगर पालिका द्वारा प्रतिबंधित पॉलिथीन उपयोगकर्ता के विरूद्ध हुई कार्यवाही

शहडोल .प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल 20 फरवरी 2026- कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती आशा भंडारी के निर्देशानुसार नगरपालिका शहडोल अंतर्गत नगरपालिका के मैदानी अमले द्वारा प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोगकर्ताओ के विरूद्ध कार्यवाही की गई। इसी अनुक्रम में शहडोल नगर के थोक एवं फुटकर विक्रेताओं की 10 दुकानों पर छापामार कार्यवाही करते हुए 22 किलो 550 ग्राम प्रतिबंधित सिंगल यूज़ पॉलिथीन जब्त की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले संबंधित दुकानदारों पर कुल 2800 रूपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। प्रतिबंधित पॉलिथीन का उपयोग न करने चेतावनी देते हुए कपड़े एवं जूट के थैलों सहित अन्य पर्यावरण हितैषी विकल्प अपनाने के लिए समझाइष दी गई।

उक्त कार्य में एसआई अनिल महोबिया, भूपेश कोरे, संतोष लखेरा, दुर्गेश गुप्ता सहित अन्य नगरपालिका का मैदानी अमला उपस्थित रहा।

आत्मा का ज्ञान ही शाश्वत व सनातन है

सहजयोग ध्यान द्वारा विश्व भर में अनेकानेक लोगों ने मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को प्राप्त किया है। सहजयोग पद्धति द्वारा लोगों के समाजिक व आध्यात्मिक उत्थान के भी अनेक उदाहरण उपलब्ध हैं।

प्रश्न उठता है सहजयोग क्या है?

सहजयोग श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रति- स्थापित एक सहज ध्यान पद्धति है जिसमें कुण्डलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति होती है। तत्पश्चात् नियमित ध्यान- धारणा द्वारा मानव शरीर में स्थिति चक्रों व नाड़ियों को संतुलन प्राप्त होता है। यही संतुलन हमें अर्थ अन्तर्परिवर्तन की ओर अग्रसर करता है। शनैः शनैः बिना किसी बाहरी दबाव व प्रेरणा के हमारे विचारों, जीवन मूल्यों, में परिवर्तन आने लगता है, सही व गलत स्वयं ही सहज में हमारे समक्ष प्रकट होने लग?ता है। जैसे-जैसे हम सहजयोग में दृढ़ होते जाते हैं सारे प्रेम व आनन्द के मायने बदलते जाते हैं। माया जो कि जीवन में अभाव का दूसरा नाम है हमें प्रभावित नहीं कर पाती। आत्मा का ज्ञान ज्यों ही हमारी मध्य नाड़ी तंत्र को प्रकाशित करता है व हमारी शाश्वत शक्ति, कुण्डलिनी ब्रह्मरंध्र का भेदन करती है तो हमारा संबंध चैतन्य के रूप में प्रवाहित परम पिता की ऊर्जा से हो जाता है। अतः सहजयोग ऊर्जा का विज्ञान है। सहजयोग आत्मा के परमात्मा से लय होने की प्रक्रिया है। शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की प्राप्ति इस प्रक्रिया का सह उत्पाद है। आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने की कोई आयु नहीं होती और इसमें सांसारिक जीवन का त्याग नहीं होता है। यदि सहजयोग का परिचय बालपन में ही दिया जाए तो बच्चों का चहुंमुखी विकास सहज ही में हो जाता है। वे एकाग्रता, अनुशासन, तीव्र स्मरणशक्ति, व शैक्षणिक व व्यवसायिक सफलता को सहज ही में प्राप्त करने योग्य बन जाते हैं। किसी भी परिस्थिति में अनैतिकता उन्हें छू भी नहीं पाती क्योंकि स्वयं पावित्र्य के प्रतीक श्री गणेश आत्मसाक्षात्कार के पश्चात् उनके भीतर जागृत हो जाते हैं। इस प्रकार सहजयोग प्रत्येक आयु वर्ग, प्रत्येक धर्म तथा महिला व पुरुष दोनों के लिए परमशक्ति से एकाकारिता का अनमोल माध्यम है। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है।

सहजयोग से संबंधित जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 18002700800 पर कॉल करें।

एमबीबीएस छात्रा की संदिग्ध मृत्यु की एसआईटी जांच की मांग

झाबुआ .सलीम हुसैन

विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया ने अलीराजपुर जिले के ग्राम अकलवा निवासी एमबीबीएस छात्रा कु. रोशनी (पिता -चंदरसिंह कलेश) की भोपाल में हुई संदिग्ध मृत्यु के मामले में विशेष जांच दल से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। डॉ. भूरिया ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर बताया है कि छात्रा भोपाल स्थित गांधी मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत थी। दिनांक 10 फरवरी 2026 को छात्रावास के बाथरूम में संदिग्ध परिस्थितियों में उसका शव मिलने से पूरे आदिवासी समाज एवं परिजनों में गहरा आक्रोश और शंका व्याप्त है। परिजनों ने इसे आत्महत्या न मानते हुए हत्या की आशंका जताई है तथा निष्पक्ष जांच की मांग की है। डॉ. भूरिया ने कहा कि मामला आदिवासी समाज की होनहार छात्रा से जुड़ा होने के कारण अत्यंत गंभीर है। ऐसे में सत्य सामने लाने और दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु एसआईटी गठित कर निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराना आवश्यक है। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र एसआईटी गठन के आदेश जारी किए जाएं, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और समाज में विश्वास कायम रहे।

इंदौर दुग्ध संघ द्वारा नव वर्ष एवं होली के पावन पर्व पर दूध क्रय दरों में दुग्ध संघ के इतिहास में सर्वाधिक वृद्धि कर दुग्ध प्रदायक सदस्यों को दिया तोहफा

पत्रकार खुशबू श्रीवास्तव

ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) भोपाल से संबद्ध इंदौर सहकारी दुग्ध संघ अंतर्गत दुग्ध सहकारी समितियां के दुग्ध उत्पादकों से क्रय किए जाने वाले दूध क्रय घर में सर्वाधिक वृद्धि की गई है दुग्ध सहकारी समितियों के दुग्ध उत्पादकों से रुपए 850 प्रति कि.ग्राफेट से दूध क्रय करने का निर्णय लिया गया है जो 1 मार्च 2026 से प्रभावशील होगा एमपी स्टेट को ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) भोपाल के प्रबंध संचालक श्री संजय गोवाणी एवं इंदौर दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बलबीर शर्मा ने बताया कि यह दर इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के इतिहास में सर्वाधिक दूध क्रय दर है! दुग्ध संघ के इस निर्णय से दुग्ध संघ के कार्य क्षेत्र इंदौर, धार, देवास, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, के दुग्ध उत्पादकों में खुशी की लहर दौड़ने लगी है साथ ही दुग्ध प्रदायक सदस्यों द्वारा दुग्ध संघ के प्रबंधन का आभार व्यक्त किया है उल्लेखनीय है कि दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध उत्पादकों को नियत तिथियों 05,15, एवं 25 से भी पूर्व दिनांक 03,13 एवं 23 तारीख में अनिवार्य रूप से नियमित भुगतान किया जा रहा है

थाना खजराना की अवैध मादक अल्प्राजोलम टेबलेट के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही

अवैध मादक अल्प्राजोलम टेबलेट के साथ 2 आरोपी को किया विधिवत गिरफ्तार

पत्रकार खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर शहर मे अवैध मादक पदार्थों व अवैध नशीली वस्तुओं की तस्करी एवं इनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश श्रीमान पुलिस आयुक्त महोदय नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त महोदय श्री अमित सिंह, श्रीमान पुलिस उपायुक्त महोदय झोन 02 श्री कुमार प्रतीक, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त महोदय झोन 02 श्री अमरेन्द्र सिंह, श्रीमान सहायक पुलिस आयुक्त खजराना श्री कुंदन मण्डलोई द्वारा थाना प्रभारी महोदय खजराना को दिये गये है उक्त निर्देशों के अनुक्रम में थाना खजराना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव के द्वारा 01 टीम गठित कर लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय-विक्रय व इनमें संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार असूचना संकलन कर कार्यवाही की जा रही हैं। इसी तारतम्य में थाना खजराना की टीम द्वारा संदेहियो की तलाश एवं पतारसी खजराना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानो पर करते स्कीम नम्बर 134 स्टार चौराहे के पास खाली मैदान खजराना इंदौर पर 02 संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल के पास खड़े दिखे जो पुलिस टीम को देखकर घबराकर भागने का प्रयास करने लगे, आरोपी की घेराबंदी कर उसे धरदबोचा । संदिग्धों की नियमानुसार तलाशी लेते उसके कब्जे से प्रतिबंधित नशे की 1200 अल्प्राजोलम टैबलेट मिली जिसके खरीदी-बिक्री के सम्बन्ध में पूछते कोई वैध दस्तावेज होना नहीं होना बताया ओर 01 मोटरसाइकिल वाहन जिसके संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि वह अल्प्राजोलम टेबलेट का नशा करने का आदि है, नशे की लत पूरी करने की नियत से सस्ते दामों पर खरीदकर, नशे के आदि अन्य लोगों को महंगे दामों पर बेचना कबूला है।

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती पर भव्य वाहन रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

इंदौर।

राष्ट्र गौरव छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्म जयंती के उपलक्ष्य में 19 फरवरी को मराठी समाज द्वारा भव्य एवं विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया। रैली में समाज के सैकड़ों लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जय भवानी, जय शिवाजी के जयघोष से पूरे शहर को शिवमय बना दिया। रैली के पश्चात शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गई, जिनमें बच्चों और युवाओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य तथा नाट्य मंचन के माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य, पराक्रम और राष्ट्रभक्ति को जीवंत किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि शंकर लालवानी जी, पुष्पमित्र भार्गव जी एवं स्वाति ताई कशीद जी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। साथ ही गुड्डू जयसवाल जी, हरिओम मीना जी (मीणा समाज के अध्यक्ष), नितिन गवली जी, अक्षय शर्मा जी तथा गोपाल गावंडे (संपादक, रणजीत टाइम्स) की गरिमामयी उपस्थिति में यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज केवल मराठी समाज ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनका जीवन साहस, स्वाभिमान, राष्ट्रभक्ति और सुशासन का आदर्श प्रस्तुत करता है, जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना समाज का कर्तव्य है।

यातायात पुलिस द्वारा नो-पार्किंग के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही, चारों जोन में विशेष पेट्रोलिंग टीमों का सतत भ्रमण

इंदौर.आदित्य शर्मा

इंदौर शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुचारू, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा चारों जोन के लिए चार विशेष पेट्रोलिंग टीमों का गठन किया गया है। उक्त टीमों का मुख्य उद्देश्य शहर के व्यस्ततम मार्गों, प्रमुख बाजार क्षेत्रों एवं यातायात दबाव वाले स्थानों पर अव्यवस्थित एवं अवैध पार्किंग पर नियंत्रण कर यातायात को सुगम बनाना है। इसी क्रम में आज दिनाँक को चारों पेट्रोलिंग टीमों द्वारा अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में भ्रमण कर यातायात दबाव एवं अव्यवस्थित पार्किंग की स्थिति का निरीक्षण किया गया तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। भ्रमण के दौरान निम्न क्षेत्रों में विशेष कार्यवाही की गई-

यातायात जोन-1 = कालानी नगर, बड़ा गणपति से गौराकुंड तक।

यातायात जोन-2 =मालवा मिल, पाटनीपुरा से भमोरी, रसोमा तक।

यातायात जोन-3 =पलासिया से गीताभवन, व्हाइट चर्च, मनोरमा गंज, कृषि कॉलेज तक।

यातायात जोन-4 =राजवाड़ा क्षेत्र, सराफा, कपड़ा बाजार, खजूरी बाजार तथा भवरकुआ टॉवर चौराहा तक।

पेट्रोलिंग टीमों द्वारा मुख्य मार्गों, बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सतत भ्रमण करते हुए पीए सिस्टम, बॉडी वॉर्न कैमरा, क्रेन/सपोर्ट वाहन, व्हील लॉक एवं पीओएस मशीन की सहायता से अवैध पार्किंग, फुटपाथ पर वाहन खड़े करने तथा सड़क पर वाहन खड़े कर यातायात बाधित करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। यातायात पुलिस द्वारा पहले वाहन चालकों को समझाइश एवं चेतावनी दी गई, इसके पश्चात नियमों का उल्लंघन जारी रहने पर व्हील लॉक एवं क्रेन के माध्यम से चालानी कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त, पीए सिस्टम के माध्यम से नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने तथा निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने की अपील की गई। यातायात पुलिस द्वारा की जा रही निरंतर कार्यवाही के परिणामस्वरूप कई क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था अधिक सुगम हुई है तथा आम नागरिकों को राहत मिली है। इंदौर यातायात पुलिस द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने हेतु यह अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा आगामी दिनों में भी विभिन्न क्षेत्रों में विशेष पेट्रोलिंग एवं सख्त कार्यवाही लगातार की जाएगी।

अवैध कारखानों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 5 इकाइयाँ सील

मयूर नगर, ग्राम बांक।

जिला प्रशासन ने अवैध रूप से संचालित हो रहे कारखानों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच इकाइयों को सील कर दिया। यह कारखाने बिना अनुमति संचालित किए जा रहे थे तथा इनमें ड्रम धुलाई का कार्य किया जा रहा था। जानकारी के अनुसार, ड्रमों की धुलाई के दौरान निकलने वाला गंदा एवं रासायनिक युक्त पानी सीधे आसपास की जमीनों में छोड़ा जा रहा था, जिससे क्षेत्र की भूमि और जल स्रोत प्रदूषित हो रहे थे। स्थानीय रहवासियों की शिकायत के बाद प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर जांच की और कार्रवाई की। निरीक्षण में पाया गया कि संबंधित इकाइयों के पास संचालन की वैध अनुमति नहीं थी तथा पर्यावरणीय नियमों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। इसके पश्चात प्रशासनिक अमले ने तत्काल प्रभाव से पांच कारखानों को सील कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान तहसीलदार साहब, पटवारी साहब, आर.आई. साहब सहित पंचायत सचिव जगदीश मेहता, पंचायत सरपंच सोहराब पटेल अभिषेक ठाकुर एवं अन्य पंचायत कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध आगे भी अभियान जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अब आसमान से भी रहेगी यातायात नियमों के उल्लंघन करने वालों पर नजर

इंदौर. आदित्य शर्मा

शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुचारू, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर के सिंह व पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के साथ ही लगातार नित नए प्रयास कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी अनुक्रम में आज दिनांक 19.02.26 को पुलिस कमिश्नर इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में एक और नया कदम बढ़ाया है। इंदौर शहर के यातायात को और व्यवस्थित व बेहतर करने के लिए यातायात पुलिस द्वारा अत्यधिक ड्रोन तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा है जिसके तहत शहर के प्रमुख चौराहा और मार्गो की डिजिटल मॉनिटरिंग हाई रेजोल्यूशन ड्रोन कैमरों के माध्यम से की जा रही है। अब सड़कों पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले, लेफ्ट टर्न बाधित करने वाले, रॉन्ग साइड गाड़ी चलाने वाले, नो पार्किंग में वाहन खड़े करने वाले, दुकानों के बाहर भीड़ एकत्रित कर यातायात को बाधित करने वालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध पुलिस द्वारा कार्यवाही की जावेगी जिसकी शुरुआत आज से की गई है। पुलिस कंट्रोल रूम में स्क्रीन पर अधिकारियों ने, ड्रोन के माध्यम से पलासिया, गीता भवन चौराहा, इंद्रप्रस्थ चौराहा, इंडस्ट्री हाउस, आनंद बाजार, रीगल आदि चौराहा और इसे लगे प्रमुख मार्गो आदि पर की गई डिजिटल पेट्रोलिंग से सड़कों पर निगरानी रखी और जिन वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा था जैसे कुछ वाहनों द्वारा नो पार्किंग में वाहन खड़े कर यातायात बाधित किया जा रहा था, कुछ रॉन्ग साइड वाहन चला रहे थे उन्हें चिन्हित कर सेट पर ही संबंधित स्थान के आसपास लगे पुलिस बल को बताकर उक्त वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई भी की गई। इस दौरान यातायात को अवरुद्ध करने वाली कुछ बाधाओं को भी हटाया गया, ठेल आदि को भी साइड में

करवाया गया, दुकानों के सामने भीड़ हटवाई गई ताकि लोगों को सुखद व सुचारू यातायात मिल सके। पुलिस कमिश्नर इंदौर ने कहा कि हमारा लक्ष्य तकनीक के माध्यम से जनता के सफर को सुरक्षित और सुखद बनाना है। ड्रोन तकनीक हमारे लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी,इससे न केवल मैनपावर की बचत होगी, बल्कि उन क्षेत्रों में भी नजर रखना आसान होगा, जहाँ पुलिसकर्मी भौतिक रूप से तुरंत नहीं पहुँच सकते।

जिला जनगणना समन्वय समिति की ट्रेनिंग कम बैठक संपन्न

भोपाल। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला जनगणना समन्वय समिति की दो दिवसीय ट्रेनिंग कम बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना 2027 को पूर्णतः डिजिटल मोड में संपादित करने से संबंधित प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की गई तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री प्रकाश नायक, श्री पी सी शाक्य, जिला जनगणना अधिकारी श्री भुवन गुप्ता, एसडीएम, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर सहित समिति के सदस्यगण एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जनगणना कार्य निदेशालय संयुक्त निदेशक श्री नमित यादव, सहायक निदेशक श्रीमती ऐन्सी रेजी द्वारा प्रथम चरण मकान सूचीकरण के जिला स्तरीय प्रशिक्षण में प्रथम चरण (01 से 30 मई तक) में की जानी वाली आवश्यक कार्यवाही संबंधी प्रशिक्षण दिया। साथ ही जिला प्रभारी द्वारा महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक में डिजिटल जनगणना प्रक्रिया, डाटा की शुद्धता एवं पारदर्शिता, प्रभावी कार्य प्रणाली एवं निगरानी व्यवस्था।

जनगणना कार्यक्रमः प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) - 1 मई से 30 मई 2026, द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) फरवरी 2027 से प्रारंभ की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देशित किया कि जनगणना कार्य को पूर्ण गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ समय-सीमा में संपादित किया जाए। जिला स्तर पर मानव संसाधन, मकान सूचीकरण ब्लॉक (एच एल बी) एवं दलों के गठन कर उनका प्रशिक्षण समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए ताकि निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति नियत समय में सुनिश्चित हो सके। जनगणना 2027 देश की 16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी। यह गांव, शहर एवं वार्ड स्तर पर प्राथमिक आंकड़ों का सबसे बड़ा एवं विश्वसनीय स्रोत है। जनगणना-2027 पूर्णतः डिजिटल होगी तथा पहली बार नागरिकों को स्व-गणना (सेल्फ एन्युमरेशन) का विकल्प प्रदान किया गया है। आंकड़ों का संकलन स्व-गणना पोर्टल एवं मोबाइल एप (एचएलओ एप) के माध्यम से किया जाएगा। मकान सूचीकरण ब्लॉक का सृजन एचएलबीसी वेब पोर्टल से तथा प्रबंधन एवं निगरानी सीएमएमएस वेब पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। घर-सूचीकरण चरण में भवन उपयोग सहित 33 बिंदुओं पर जानकारी दर्ज की जाएगी। इस अवसर पर जनगणना कार्य निर्देशालय मध्यप्रदेश, सांख्यिकी अंवेषक एवं भोपाल जिला प्रभारी सुश्री सुनीता पुष्कर, जिला नोडल ऑफिसर श्री सुरेंद्र रघुवंशी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएलसीसी बैठक सम्पन्न, बैंकिंग एवं शासकीय योजनाओं की समीक्षा

विदिशा। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में बैंकिंग गतिविधियों, वित्तीय समावेशन एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में लीड बैंक द्वारा पीपीटी के माध्यम से बैंकिंग एवं शासकीय योजनाओं की अद्यतन जानकारी प्रस्तुत की गई।

बैठक में रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अग्रणी जिला प्रबंधक, विभिन्न बैंकों के अधिकारी तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, नगरीय निकाय, मत्स्य, पशुपालन, ग्रामीण विकास एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान जिपं सीईओ श्री ओपी सनोडिया ने इंडियन ओवरसीज बैंक की सीडी रेश्यो निर्धारित 60 प्रतिशत से कम पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सुधार के निर्देश दिए। साथ ही स्वयं सहायता समूहों को ऋण वितरण की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत को निर्देशित किया कि 28 फरवरी तक लंबित खातों में ऋण वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि समूहों को स्वरोजगार के अवसर मिल सकें। उद्यानिकी विभाग द्वारा पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत भेजे गए 299 प्रकरणों की जानकारी देते हुए बताया गया कि इनमें से 39 प्रकरणों में ऋण वितरण किया गया है। उन्होंने विभागों को निर्देश दिए कि वे लक्ष्य के अनुरूप समयसीमा में ऋण वितरण सुनिश्चित करें तथा योजनाओं के लाभ से अधिक से अधिक हितग्राहियों को जोड़ें। बैठक में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) की प्रगति की समीक्षा करते हुए पाया गया कि विभाग द्वारा बैंक शाखाओं को लक्ष्य के अनुरूप प्रकरण प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। इस पर जिपं सीईओ ने निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर गुणवत्ता पूर्ण प्रकरण बैंक शाखाओं को भेजे जाएं। इसी प्रकार उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत बैंकों को भेजे गए 317 प्रकरणों में से 227 स्वीकृत तथा 213 प्रकरणों में ऋण वितरण किया जा चुका है। लक्ष्य के अनुरूप कार्य पूर्ण होने पर संतोष व्यक्त किया। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षा में बताया गया कि कुल 2501 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 1107 स्वीकृत एवं 996 हितग्राहियों को ऋण वितरण किया गया है, जबकि 1374 आवेदन रिजेक्ट किए गए हैं। योजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। पशुपालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा दौरान निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का 28 फरवरी तक निराकरण कर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। बैठक के अंत में लीड बैंक प्रबंधक ने सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए बैंकिंग योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए समन्वय के साथ कार्य करने का आश्वासन दिया।

लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन'

नरेन्द्र साहू छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा जिले के चौरई चाँद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय के पदाधिकारी द्वारा कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन किया गया।कांग्रेस के अध्यक्ष पदाधिकारी, पुलिस बल एवं पत्रकार उपस्थित रहे। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष चाँद पृथ्वीराज पटेल ने कहा- हमारे विपक्ष के नेता माननीय उमंग सिंगारे जी पे वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जो अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया वो गलत था। उनको संसदीय मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। विधानसभा के अंदर बैठे लोगों से उनको मर्यादित भाषा में बात करना चाहिए।विपक्ष के नेता के ऊपर ऐसी टिप्पणी करना गलत है।इसलिए हमने आज यहाँ माननीय नकुलनाथ जी और कमलनाथ जी के आदेश पर पुतला दहन किया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष चाँद पृथ्वीराज पटेल, भुवन पटेल, राजेंद्र डेहरिया, विशाल पटेल, विशाल दिक्षित, रजनीश रघुवंशी, शिव शिवांश, निलेश डेहरिया, सुधान रघुवंशी, विक्की वर्मा, प्रमोद सोनी, ओंकार साहू ,एवं पत्रकार विक्की साहू, ललित रघुवंशी ,नरेंद्र साहू ,उपस्थित रहे।

संकल्प से समाधान अभियान में 62 हजार से अधिक आवेदनों का निराकरण

सीहोर। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा अभियान के माध्यम से जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। लंबित प्रकरणों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इस अभियान के अंतर्गत 19 फरवरी 2026 तक विभिन्न विभागों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार अभियान के तहत कुल 67,301 आवेदन दर्ज हुए, जिनमें से 62,317 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है, जबकि 4,984 प्रकरण लंबित हैं।

सबसे अधिक आवेदन सहकारिता विभाग में किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत प्राप्त हुए, जहां 23,263 में से 23,233 प्रकरणों का निराकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 9,094 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 8,873 का निराकरण किया जा चुका है। इसी प्रकार राजस्व विभाग में चालू खसरा खतौनी की प्रतिलिपि के 6,297 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 4,728 का निराकरण हुआ। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भवन निर्माण अनुमति के 6,110 आवेदनों में से 5,977 प्रकरणों का समाधान किया गया।

अभियान के तहत नगरीय विकास विभाग में नो ड्यूज प्रमाण पत्र के 2,560 में से 2,552 आवेदन निराकृत किए गए। इसके अलावा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के 424 में से 288 तथा लाडली लक्ष्मी योजना के 311 में से 214 प्रकरणों का निराकरण किया गया। सामाजिक न्याय विभाग में विभिन्न पेंशन योजनाओं के अंतर्गत हजारों आवेदनों का समाधान किया गया। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आय, निवास एवं जाति प्रमाण पत्रों के अधिकांश प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया गया है। इस अभियान के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं। अभियान के तहत आष्टा (ग्रामीण) में 25,069 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 25,068 का निराकरण हो चुका है। भैरूंदा में 7,644 आवेदनों में से 7,061 का निराकरण हुआ, जबकि 583 प्रकरण लंबित हैं। बुधनी (ग्रामीण) में 7,575 आवेदनों में से 5,403 का निराकरण किया गया, 2,172 लंबित हैं। सीहोर (ग्रामीण) में 7,039 में से 5,925 प्रकरणों का निराकरण हुआ। इछावर (ग्रामीण) में 6,199 में से 5,827 प्रकरणों का समाधान किया गया।

सफलता की कहानी खेत से निकली रोशनी, ग्वालियर के तरुण बने सौर ऊर्जा उद्यमी

ग्वालियर। अगर सोच सकारात्मक और इरादे मजबूत हों तो गांव की जमीन भी बड़े बदलाव की नींव बन सकती है। ग्वालियर जिले के ग्राम मऊछ निवासी युवा तरुण सिंह राजपूत ने इसी सोच के साथ अपने खेत को सौर ऊर्जा उत्पादन केंद्र में बदलकर ग्रामीण उद्यमिता की एक प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। सोलर प्लांट के जरिए खेत से निकली सफलता की रोशनी ने तरुण को उद्यमी बना दिया है। कंप्यूटर साइंस में एमएससी की डिग्री हासिल करने के बाद तरुण के सामने नौकरी के कई अवसर थे, लेकिन उन्होंने पारंपरिक रोजगार के बजाय स्वयं का उद्यम स्थापित करने का निर्णय लिया। इसी दौरान उन्हें अपने एक मित्र से प्रेरणा मिली, जो भोपाल में सोलर प्लांट के माध्यम से सफलतापूर्वक बिजली उत्पादन कर अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं।इस अनुभव ने तरुण को नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री कुसुम सोलर योजना की जानकारी मिलने पर तरुण ने सोलर प्लांट के लिए आवेदन किया। आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर अपने खेत पर 2 मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित कर लिया है। यह प्लांट स्थापित करने के लिए उन्हें कुसुम सोलर योजना के तहत सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से 6 करोड़ 20 लाख रूपये की आर्थिक सहायता मिली है। उनका सोलर संयंत्र बिजली उत्पादन के लिए तैयार है।

तरुण कहते हैं सोलर प्लांट से हमें स्थायी एवं सम्मानजनक आय का स्रोत मिल गया है। उनका कहना है कि विषय विशेषज्ञों के अनुसार इस सोलर प्लांट से उत्पादित बिजली बेचकर उन्हें हर माह औसतन 1 लाख 80 हजार रुपये की आमदनी होगी। तरुण का यह नवाचार न केवल उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता का आधार बना है, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों और युवाओं के लिए भी नई दिशा दिखा रहा है। ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में गत 18 फरवरी को आयोजित हुए किसान सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जब तरुण सिंह राजपूत को 6 करोड़ 20 लाख रुपये की सहायता राशि का चैक सौंप कर सोलर प्लांट की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं, तो वे भावुक हो गए और कहने लगे सरकार के सहयोग से आज हम उद्यमी बन पाए हैं। अब हमारा प्रयास रहेगा कि अन्य किसान और युवा भी इस क्षेत्र में आगे आएं और आत्मनिर्भर बनें।

खातेगांव मे दिव्यांग बच्चों को कृत्रिम उपकरण का वितरण किया

खातेगांव

विकासखंड खातेगांव के अंतर्गत लोकप्रिय विधायक आशीष शर्मा के मार्गदर्शन में दिव्यांग बच्चों के लिए एक आयोजन शिक्षा विभाग के माध्यम से आयोजित किया गया जिसमें 18 दिव्यांग बच्चों को कृत्रिम उपकरणों का वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित गुर्जर ने कहा कि नर सेवा नारायण सेवा है आज हम खातेगांव विकासखंड में शिक्षा विभाग के अंतर्गत 18 दिव्यांग बच्चों को कृत्रिम उपकरणों का वितरण कर रहे हैं निश्चित ही इन उपकरणों के माध्यम से हमारे दिव्यांग बच्चों की दिनचर्या में अनुकरणीय बदलाव एवं उन बच्चों के लिए वरदान साबित होगा हमारे शरीर का हर अंग जरूरी है लेकिन भगवान की बनाई इस दुनिया में ऐसे भी लोग होते हैं जिनके शरीर में किसी अंग की कमी या विकलांगता होती है हम उसे अंग की कमी को इन कृत्रिम उपकरणों के माध्यम से पूरा करने का प्रयास करते हैं। जिससे ऐसे बच्चों का जीवन सरल और सुविधाजनक बन सके उक्त आयोजन में विधानसभा प्रभारी वीरेंद्र सिंह राजावत, भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित गुर्जर, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मायाराम धनवारे, उपाध्यक्ष मनीष पटेल, सतीश मित्तल ,कचरू सावले ,गोविंद गोरा, राजेश यादव ,ओ पी शर्मा, अतुल ट्रेलर एवं शिक्षा विभाग से बीईओ मनोज उपाध्याय ,बीआरसी प्रभारी कैलाश ठाकुर सहित शिक्षक शिक्षिका एवं बड़ी संख्या में वरिष्ठ जन एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महापौर मुकेश टटवाल द्वारा सीएमओ को 02 पीओएस मशीन भेंट की

स्वच्छ शहर जोड़ी अभियान के अंतर्गत उन्हेल नगर परिषद द्वारा पीओएस मशीन के माध्यम से गंदगी करते पाए जाने वालो पर डिजिटल चालानी कार्यवाही की जाएगी जिसके क्रम में गुरुवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा उन्हेल नगर परिषद के सीएमओ को 02 नग पीओएस मशीन भेंट की गई. स्वच्छ शहर जोड़ी अभियान अंतर्गत उज्जैन नगर पालिक निगम द्वारा सीएसआर गतिविधि अंतर्गत एचडीएफसी बैंक के माध्यम से 02 नग पीओएस मशीन उन्हेल नगर परिषद टीम को उपलब्ध करवाई गई है जिससे उन्हेल नगर परिषद टीम द्वारा मशीन के माध्यम से चालान बनाया जाएगा, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नियमों का उल्लंघन करने पर डिजिटल रूप से चालान बनाया जाएगा जिसमें की गंदगी करने, कचरा अलग-अलग नहीं करने, खुले में मल बहाने, अमानक प्लास्टिक का उपयोग करने, खुले में कचरा फेंकने, कचरा जलाने इत्यादि पर किया जाएगा.

शिवाजी जयंती शोभायात्रा के जुलूस मार्ग की ड्रोन से सघन सर्चिंग

बड़वानी

जिले के सेंधवा शहर में 19 फरवरी 2026 को शिवाजी जयंती के उपलक्ष में आयोजित होने वाली शोभायात्रा को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने हेतु पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए। प्रभारी पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तथा एसडीओपी सेंधवा अजय वाघमारे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सेंधवा शहर दिनेश कुशवाह एवं पुलिस टीम द्वारा जुलूस मार्ग का ड्रोन कैमरे के माध्यम से सघन निरीक्षण एवं सर्चिंग की गई। सुरक्षा व्यवस्था के तहत जुलूस मार्ग पर स्थित हाई-राइज भवनों, संवेदनशील स्थानों एवं प्रमुख चौराहों का विशेष रूप से निरीक्षण किया गया, ताकि किसी भी संभावित अव्यवस्था की स्थिति को पूर्व में ही नियंत्रित किया जा सके। शोभायात्रा के दौरान पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। ड्यूटी में लगाए गए समस्त पुलिस बल को एसडीओपी सेंधवा द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए ब्रीफ कर रवाना किया गया। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि त्योहार को आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांति के साथ मनाएँ। किसी भी प्रकार की अफवाह, अव्यवस्था अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

देवास रोड स्थित बालाजी हॉस्पिटल के द्वारा बायोमेडिकल वेस्ट कचरे को मिक्स रखने पर नगर निगम द्वारा गुरुवार को 50 हजार का जुर्माना किया

उज्जैन। उल्लेखनीय है कि स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025 की नवीन टूलकिट के अंतर्गत होटल, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, अस्पतालों इत्यादि को अपने प्रतिष्ठान से निकलने वाले कचरे का निष्पादन करना है साथ ही अस्पताल से निकलने वाले बायोमेडिकल वेस्ट कचरे को प्रथक से रखना है जिसके क्रम में देवास रोड स्थित बालाजी हॉस्पिटल पर गुरुवार को नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया जिसमें पाया गया कि बायोमेडिकल वेस्ट के हानिकारक कचरे को मिक्स कचरे में दिया जा रहा है जिसके क्रम में निगम द्वारा अस्पताल प्रबंधन पर 50 हजार का जुर्माना लगाने की कार्यवाही की गई*

स्वच्छ सर्वेक्षण अंतर्गत नगर परिषद पलसूद द्वारा शहर के रहवासी क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया

पलसूद

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत नगर परिषद पलसूद द्वारा शहर के रहवासी क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत मड पंप मशीन के माध्यम से सेप्टिक टैंकों की नियमित सफाई कर फीकल स्लज (मल-कीचड़) को सुरक्षित रूप से निकाय के प्रसंस्करण स्थल (फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट ङ्क स्नस्ङ्कक) पर खाली किया गया। इस कार्यवाही का उद्देश्य शहर में स्वच्छता बनाए रखना, पर्यावरण प्रदूषण को रोकना तथा फीकल स्लज का वैज्ञानिक एवं सुरक्षित निपटान सुनिश्चित करना है। नगर परिषद द्वारा नागरिकों से अपील की गई कि वे समय-समय पर अपने सेप्टिक टैंक की सफाई करवाकर स्वच्छ एवं स्वस्थ शहर के निर्माण में सहयोग प्रदान करें। इस दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी यशवंत सोलंकी अश्विन शर्मा सफाई दरोगा रूपेश मेहरे विशाल डूडवे सफाई मित्र मौजूद रहे।

फ्रांस से मजबूत रक्षा संबंध का लाभ मिलेगा

> मैक्रों भारत में चल रहे एआइ समिट में शामिल होने आये हैं, इससे पहले फ्रांस में हुए समिट में प्रधानमंत्री मोदी भी वहां जा चुके हैं। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस में भी फ्रांस भारत का पार्टनर है। भारत चाहता है कि एआइ के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर उसकी एक पहचान बने, ताकि हमारे युवाओं को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का मौका मिले।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की तीन दिवसीय भारत यात्रा के दौरान मुंबई में उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट हुई। दोनों नेता जिस गर्मजोशी से मिले, उससे दोनों देशों के रिश्तों की गहराई पता चली। इस दौरान मैक्रों ने दोनों देशों के संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिया। मैक्रों की इस यात्रा के दौरान भारत-फ्रांस के बीच रक्षा, अंतरिक्ष, महत्वपूर्ण खनिज समेत 20 से अधिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण समझौते भी हुए। हालांकि इस दौरान रक्षा क्षेत्र में हुए समझौते, जिनमें हैमर मिसाइलों के भारत में उत्पादन और इसके लिए भारतीय कंपनी बीइएल और फ्रांस की कंपनी सैफरान के बीच हुआ समझौता, बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मैक्रों का यह भारत दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अभी कुछ दिनों पूर्व ही हमने यूरोपीय संघ के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किया है, जो काफी विस्तारित समझौता है। इस समझौते में फ्रांस की बड़ी भूमिका रही है और उम्मीद है कि हमें आगे भी फ्रांस की मदद मिलती रहेगी। इस समय दुनिया जिस बहुपक्षीय, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रही है, साथ ही, दुनिया को व्यापार और आर्थिक जगत में जिस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे समय में भारत-फ्रांस दोस्ती बहुत आवश्यक है। दोनों देशों के बीच के रिश्ते इसलिए भी गहरे हो रहे हैं, क्योंकि दोनों देश लोकतांत्रिक हैं, सो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों एक-दूसरे के लोकतांत्रिक मूल्यों को समझते हैं और उसे महत्व भी देते हैं। दोनों नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ

लड़ाई में साझा कदम उठाने की बात भी कही है, जो दुनियाभर में बढ़ते आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए जरूरी है।

मैक्रों भारत में चल रहे एआइ समिट में शामिल होने आये हैं, इससे पहले फ्रांस में हुए समिट में प्रधानमंत्री मोदी भी वहां जा चुके हैं। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस में भी फ्रांस भारत का पार्टनर है। भारत चाहता है कि एआइ के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर उसकी एक पहचान बने, ताकि हमारे युवाओं को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का मौका मिले। यह भी सच है कि आज की वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए हमारे युवा भारत में ही काम करना चाह रहे हैं। ऐसे में, एआइ में आगे बढ़ने से युवाओं को भारत में ही अच्छा मौका मिलेगा। इसके साथ ही, भारतीयों की क्षमता से भी दुनिया वाकिफ है और कई देश हमारे युवाओं को अपने यहां बुलाना चाहते हैं। ऐसे में, मुझे लगता है कि भारतीय युवाओं के लिए अमेरिका ने जो रास्ते बंद किये हैं, उसकी भरपाई उन्हें फ्रांस और यूरोप के अन्य देशों में हो जायेगी। हां, युवाओं को दूसरी भाषाएं सीखने के लिए थोड़ी मेहनत करनी पड़ेगी, पर मौके उन्हें मिलेंगे।

मैक्रों का यह दौरा दिखाता है कि वे चाहते हैं कि भारत के साथ उनके रिश्ते मजबूत हों, क्योंकि पहले से ही फ्रांस यूरोप में भारत का सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। हालांकि इस समय मैक्रों की अपनी घरेलू लोकप्रियता कम है, परंतु यदि वह भारत को साथ लेकर चलते हैं, जो इस समय वैश्विक दक्षिण का नेता बनकर उभरा है, तो उन्हें न केवल घरेलू स्तर पर अपनी लोकप्रियता बढ़ाने में मदद मिलेगी, बल्कि वैश्विक स्तर के भी कई मामलों में उन्हें अग्रणी भूमिका निभाने का मौका मिल सकता है। इसे मैक्रों भी बखूबी समझ रहे हैं।

यहां राफेल समझौते का जिक्र भी जरूरी है। गौरतलब है कि 114 अतिरिक्त राफेल खरीदने का रास्ता भारत सरकार द्वारा लगभग साफ कर दिया गया है। अगले कुछ महीनों में राफेल सौदों पर हस्ताक्षर होने की भी संभावना है। हम सब जानते हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है और वह भारत विरोधी कोशिश में भी लगा रहता है। ऐसे में, आतंकवाद पर नकेल कसने तथा अपने रक्षा क्षेत्र को और मजबूत बनाने के लिए यह बहुत आवश्यक है कि हम फ्रांस के साथ और राफेल खरीद के समझौते करें। यह भी सब जानते हैं कि पाकिस्तान की पीठ पर अमेरिका और चीन खड़े हैं।

हालांकि, रूस और ईरान के साथ भी हमारी दोस्ती बहुत गहरी है, लेकिन इन दोनों देशों पर दबाव बहुत ज्यादा है, इसलिए हमारे लिए नये मित्र बनाना भी आवश्यक है। मैक्रों के भारत दौरे के दौरान फ्रांस से न केवल 114 राफेल 4.5 वर्जन खरीदने की बात हुई है, बल्कि भारत ने यह भी कहा है कि वह 50 प्रतिशत राफेल का उत्पादन भारत में ही करना चाहता है। इसके लिए तकनीक स्थानांतरण पर भी बातचीत हुई है, ताकि हम उसे अपने देश में ही बना सकें। हल्के लड़ाकू विमानों और इंजन के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहने से भी हमें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

विदित हो कि रक्षा उपकरणों के निर्माण में वृद्धि करने का भारत का उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ, इन उपकरणों को वैश्विक दक्षिण के देशों को निर्यात करना भी है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत जिन रक्षा उपकरणों का उत्पादन कर रहा है, जैसे पिनाका रॉकेट सिस्टम, उसकी खरीद के लिए फ्रांस ने दिलचस्पी दिखाई है और यह बड़ी बात है। यदि फ्रांस इस रॉकेट सिस्टम को खरीदता है, तो इससे हमारे निर्यात को बढ़ावा तो मिलेगा ही, हमारी रक्षा शक्ति भी बढ़ेगी। इसके साथ ही, दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता भी कम होगी।

मैक्रों की इस यात्रा के दौरान 10 वर्षों के रक्षा सहयोग समझौते के नवीनीकरण पर भी हस्ताक्षर किये गये। महत्वपूर्ण खनिज के लिए भी साझेदारी हुई है, विदेश मंत्रियों के वार्षिक संवाद का मंच बन रहा है, तथा फ्रांस के सैनिकों की भारतीय सेना में और भारतीय सेना की फ्रांस की सेना में तैनाती की भी बात हुई है, जो अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। इससे दोनों देश चुनौतियों से साथ मिलकर लड़ने में सक्षम हो सकेंगे। कुल मिलाकर, मैक्रों का भारत दौरा और भारत के साथ समझौते होने से भारत को पहली बार ऐसा लग रहा है कि भारत और फ्रांस, यूरोप और वैश्विक दक्षिण दोनों को साथ मिलाकर आगे बढ़ सकते हैं।

अंत में, फ्रांस के साथ भारत का समझौते सही समय पर हुआ है, क्योंकि जिस तरह की नयी चुनौतियां उभरकर दुनिया के सामने आ रही हैं, उसमें भारत और फ्रांस का साथ मिलकर चलना बहुत अच्छा रहेगा। अभी फ्रांस में जी-7 समिट होना है और भारत में ब्रिक्स समिट होना है। यह भी सच है कि इस समय विश्व में नये समीकरण निकलकर सामने आ रहे हैं, जिसमें दोनों देश महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दोनों देशों के बीच निरंतर आपसी बातचीत होते रहना बहुत जरूरी है और इसमें मैक्रों का भारत दौरा बहुत अहम है।

बंगाल का भविष्य : धर्म की लहर या प्रगति की

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले अभी बाकी हो, पर राजनीतिक रणभेरी बज चुकी है। इस बार संकेत साफ हैं-चुनाव विकास बनाम विकास के दावे पर नहीं, बल्कि पहचान, अस्मिता और धर्म की ध्वजा के इर्द-गिर्द घूम सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य भर में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलनों को भारतीय जनता पार्टी एक वैचारिक उत्सव भर नहीं, बल्कि चुनावी अवसर में बदलने की रणनीति पर आगे बढ़ती दिख रही है। दूसरी ओर ममता बनर्जी ने भी यह समझ लिया है कि यदि चुनाव की जमीन धार्मिक विमर्श पर खिसकती है तो उसे खाली नहीं छोड़ा जा सकता। कोलकाता के न्यू टाउन में 'दुर्गा आंगन' का शिलान्यास और उसे बंगाली अस्मिता से जोड़ने का प्रयास इसी रणनीतिक सजगता का हिस्सा है। बंगाल की राजनीति लंबे समय तक वर्ग-संघर्ष, वाम वैचारिकी और सामाजिक न्याय के नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। लगभग तीन दशक तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में रहा। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। किंतु 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नई धुरी बनी-तृणमूल बनाम भाजपा। आज स्थिति यह है कि वाम और कांग्रेस हाशिए पर हैं और मुकाबला दो ध्रुवों के बीच सिमट चुका है। यही द्विध्रुवीयता चुनाव को अधिक तीखा और अधिक पहचान-केन्द्रित बना रही है। भाजपा का अभियान चार प्रमुख सूत्रों पर टिका है-बंगाल में हिंदू खतरे में है, बांग्लादेशी घुसपैठ, महिलाओं की असुरक्षा और भ्रष्टाचार। सीमावर्ती

जिलों का उदाहरण देकर यह संदेश गढ़ा जा रहा है कि जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है। अवैध घुसपैठ का प्रश्न नया नहीं है, पर उसे इस समय राजनीतिक ऊर्जा के साथ जोड़ा जा रहा है। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना, शिक्षक भर्ती घोटाले, हिन्दुओं पर बढ़ते अत्याचार एवं भ्रष्टाचार जैसे प्रसंगों को शासन की विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाजपा का लक्ष्य स्पष्ट है-70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं में एक साझा असुरक्षा-बोध निर्मित करना, हिन्दुओं को जागृत करना और उसे मतदान व्यवहार में रूपांतरित करना। आज बंगाल में विकास की सबसे बड़ी बाधा घुसपैठियों का बढ़ना है। घुसपैठियों पर विराम लगाना चाहिए न कि इस मुद्दे पर राजनीति हो। ममता बनर्जी की चुनौती दोहरी है। एक ओर उन्हें यह संदेश देना है कि वे अल्पसंख्यकों की संरक्षक हैं, दूसरी ओर हिंदू मतदाताओं को यह विश्वास भी दिलाना है कि उनकी आस्था और अस्मिता सुरक्षित है। 2021 के चुनाव में जब भाजपा ने 'जय श्रीराम' के नारे को आक्रामक रूप से उछाला, तब ममता ने 'जय मां दुर्गा' और 'चंडी पाठ' के माध्यम से एक सांस्कृतिक प्रत्युत्तर दिया था। इस बार वे दुर्गा आंगन जैसे प्रतीकों के जरिए यह संकेत दे रही हैं कि बंगाली हिंदू पहचान भाजपा की बपौती नहीं है। वे धर्म को राष्ट्रवाद की बजाय क्षेत्रीय अस्मिता के साथ जोड़ती हैं-"बंगाल अपनी संस्कृति से हिंदू है, पर उसकी राजनीति बहुलतावादी है"-यह उनका अंतर्निहित संदेश है। इसी बीच मुर्शिदाबाद में पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर द्वारा 'बाबरी मस्जिद' के शिलान्यास की पहल ने नई जटिलता जोड़ दी है। इससे मुस्लिम मतदाताओं के भीतर एक अलग ध्रुवीकरण की संभावना पैदा हुई है। यदि मुस्लिम वोटों का बंटवारा होता है, तो तृणमूल का गणित प्रभावित हो सकती है। 2021 में उसे लगभग 48 प्रतिशत वोट और 223 सीटें मिली थीं-जिसमें मुस्लिम मतों का एकमुश्त समर्थन निर्णायक था। भाजपा 38 प्रतिशत वोट के साथ 65 सीटें जीतकर मुख्य विपक्ष बनी। ऐसे में यदि मुस्लिम मत 5-10 प्रतिशत भी इधर-उधर खिसकते हैं, तो कई सीटों का परिणाम बदल सकता है और भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आ सकती है। यहां प्रश्न केवल गणित का नहीं, राजनीति के चरित्र का भी है। क्या बंगाल का चुनाव धार्मिक पहचान के उभार का प्रयोगशाला बनेगा? या यह प्रयोग अंततः विकास, रोजगार और बुनियादी ढांचे के प्रश्नों पर लौटेगा? विडंबना यह है कि जिस बंगाल को कभी देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता था-जहां से उद्योग, शिक्षा और सांस्कृतिक नवजागरण की रोशनी फैलती थी, वह आज अधूरे प्रोजेक्ट्स, धीमी औद्योगिक गति और रोजगार के पलायन से जूझ रहा है। कोलकाता की सड़कों पर अधूरी मेट्रो लाइनें और बंद कारखानों की चुप्पी विकास की उस कहानी को बयान करती है, जो राजनीतिक नारों के शोर में दब जाती है। 2011 में टाटा के नैनो प्रोजेक्ट का राज्य से बाहर जाना एक प्रतीकात्मक मोड़ था। भूमि अधिग्रहण के प्रश्न पर जनसमर्थन पाने वाली राजनीति ने उद्योग के प्रति संशय का वातावरण भी बनाया। पंद्रह वर्षों बाद भी बंगाल बड़े निवेश की प्रतीक्षा में है। युवा रोजगार के लिए बाहर जा रहे हैं, और कई राज्यों में उन्हें 'बांग्लादेशी' कहकर अपमानित किए जाने की खबरें आती हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, आत्मसम्मान का प्रश्न भी है। किंतु चुनावी विमर्श में यह पीड़ा गौण हो जाती है, और केंद्र में आ जाता है-धर्म, पहचान और भय। ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाती हैं; भाजपा राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का। सी.बी.आई. और ई.डी. की कार्रवाइयों को ममता राजनीतिक प्रतिशोध बताती हैं, जबकि भाजपा उन्हें कानून का पालन। इस टकराव ने प्रशासनिक संवाद को भी राजनीतिक संघर्ष में बदल दिया है। परिणाम यह है कि विकास का एजेंडा आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ जाता है।

■ ललित गर्ग

मोहयाल समाज की अमर परंपरा हिंद दी चादर के अमर प्रहरी

भारतीय इतिहास में यदि किसी समाज ने अपने धर्म, राष्ट्र और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए पीढ़ी-दर-पीढ़ी शौर्य, त्याग और शहादत की परंपरा को जीवित रखा है, तो वह है मोहयाल समाज। यह समाज केवल विद्या और संस्कृति का संवाहक ही नहीं रहा,बल्कि संकट काल में शस्त्र उठाकर अन्याय के विरुद्ध खड़ा होने वाला वह प्रहरी भी रहा है, जिसने इतिहास की धारा को मोड़ने का साहस दिखाया। अमर शहीद भाई मती दास और भाई सती दास इसी मोहयाल समाज की उस गौरवशाली परंपरा के सर्वोच्च शिखर हैं, जिनकी शहादत ने "सृष्टि की चादर" कहलाने वाले "श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी" के सनातन धर्म की रक्षा को अमरता प्रदान की। मोहयाल समाज की ऐतिहासिक जड़ें अत्यंत प्राचीन और गौरवपूर्ण रही हैं। ऐतिहासिक स्रोतों के अनुसार, इस परंपरा का संबंध महाराजा दाहिर सेन के वंश से माना जाता है। इसी वंश परंपरा में जन्मे गौतम दास जी, जो गुरु नानक देव साहिब जी के समकालीन थे, आगे चलकर गुरु अर्जुन देव साहिब जी के सानिध्य में आए और स्वयं को पूर्णतः सिख धर्म की सेवा में समर्पित कर दिया। गुरु पातशाह की आज्ञा से वह सिख धर्म के प्रचार-प्रसार हेतु करियाला नामक स्थान पर भेजे गए, जो आज पाकिस्तान के चकवाल जिले में स्थित है। यह वही क्षेत्र है जहां सनीप दी कटासराज शिव मंदिर स्थित है, जो उस युग के धार्मिक सह अस्तित्व का जीवित प्रमाण है। करियाला ग्राम मोहयाल समाज का एक प्रमुख केंद्र बना। लगभग साढ़े चार सौ वर्षों तक यह समाज वहीं निवास करता रहा और चढ़दी कला अर्थात समृद्धि तथा सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना गया। मोहयाल ब्राह्मणों का यह छिब्बर परिवार सामान्य संगत में भाई जी का परिवार कहकर सम्मान पूर्वक जाना गया। आज भी करियाला ग्राम को मोहयाल समाज का 'जेरूसलम' कहा जाना, जो इस समाज के ऐतिहासिक योगदान का प्रमाण है। भौगोलिक दृष्टि से यह क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील था; पश्चिम में अफगानी शासक और पूर्व में मुगल सत्ता। ऐसे में मोहयाल समाज के शूरवीर इस पूरे क्षेत्र की ढाल बनकर खड़े रहे।

इसी परंपरा के उज्ज्वल नक्षत्र थे भाई पराग जी, जो गौतम दास जी के सुपुत्र थे। वे गुरु हरगोबिंद साहिब जी की सेना के महान सेनापति बने। सन् 1628 ई. और 1635 ई. के युद्धों में उन्होंने अद्भुत वीरता का परिचय देते हुए मुगल सेना को भारी क्षति पहुँचाई। सन 1635 ई. की करतारपुर की ऐतिहासिक जंग में, जहां 14 वर्षीय गुरु तेग बहादुर साहिब जी ने अपना अप्रतिम शौर्य दिखाया, वहीं एक सैन्य टुकड़ी का नेतृत्व भाई पराग जी कर रहे थे। इस युद्ध में दाहिनी भुजा कट जाने के बाद भी रणभूमि न छोड़ना, मोहयाल समाज की उस परंपरा को दर्शाता है जिसमें शरीर से अधिक धर्म और कर्तव्य का महत्व रहा है। गुरु हरगोबिंद साहिब जी ने भाई पराग जी की सेवाओं से प्रसन्न होकर उन्हें उत्तम नस्ल का घोड़ा, पाँच सौ रुपये नकद और अपनी स्वयं की कृपाण भेंट की तथा करियाला में रहकर धर्म-प्रचार का दायित्व सौंपा। उनके सुपुत्र भाई लक्खी दास जी और पौत्र भाई हीरानंद जी ने भी गुरु घर की सेवा को ही अपना जीवन बनाया।

■ डॉ. रणजीत सिंह 'अर्श'

AI का महाकुंभ: फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने की समावेशी एआई की वकालत

भारत और फ्रांस मिलकर तैयार करेंगे AI के लिए ढांचा

एजेंसी | नई दिल्ली

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एक ढांचा तैयार करने पर काम करेंगे जिसमें नवाचार को जिम्मेदारी के साथ और प्रौद्योगिकी को मानवता के साथ जोड़ा जाएगा। मैक्रों ने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच सभी डिजिटल उपकरणों को समावेशी दृष्टिकोण की तरफ निर्देशित करने की आवश्यकता बढ़ती जा रही है। यहां 'एआई इम्पैक्ट समिट' में अपने संबोधन में मैक्रों ने कहा कि फ्रांस और भारत 'संप्रभु एआई विकसित करने के लिए एक साझा दृष्टिकोण रखते हैं, जिसका उद्देश्य पृथ्वी की रक्षा करना और सभी के लिए समृद्धि को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब तनाव बढ़ रहा है, हमारे सभी डिजिटल उपकरणों को इस समावेशी दृष्टिकोण की तरफ निर्देशित करने की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। वास्तव में, ऐसा करने से न केवल भारत में बल्कि अफ्रीकी महाद्वीप में भी मजबूती आएगी। उन्होंने कहा, आइए मिलकर विभाजन के बजाय सेतु बनाने, विनाश के बजाय सृजन करने और लेने के बजाय साझा करने पर ध्यान केंद्रित करें। फ्रांस जी7 की अपनी अध्यक्षता का उपयोग इस दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए करेगा। मैक्रों ने कहा कि जी7 के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में फ्रांस बच्चों को एआई और डिजिटल दुर्व्यवहार की चपेट में आने से बचाने के लिए काम करेगा।

15 साल के कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल नेटवर्क पर प्रतिबंध की तैयारी

मैक्रों ने कहा, 'फ्रांस में हम 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल नेटवर्क पर प्रतिबंध लगाने की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं। हम आज यहां मौजूद कुछ यूरोपीय देशों के साथ इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिनमें ग्रीस और स्पेन शामिल हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित करते हुए कहा, मुझे पता है, प्रधानमंत्री जी, आप भी इस क्लब में शामिल होंगे। यह बहुत अच्छी खबर है कि भारत बच्चों और किशोरों की सुरक्षा के लिए इस तरह का कदम उठाएगा। हम अपने युवा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने को तैयार हैं।

भारत एआई का प्रमुख खिलाड़ी

भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी बताते हुए फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने एआई के उपयोग को नियंत्रित करने वाले नियमों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मैं यह बताने आया हूं कि हम इस क्षेत्र के लिए नियम तैयार करने को लेकर दृढ़ संकल्पित हैं। ऐसा हम भारत जैसे अपने सहयोगियों के साथ मिलकर करेंगे, क्योंकि हम मूलभूत साझा मूल्यों, विज्ञान, कानून के शासन और वैश्विक संतुलन में विश्वास करते हैं। मैक्रों ने कहा कि अब अपनी ताकत को उन चीजों में लगाने का समय आ गया है, जो कारगर हैं। उन्होंने कहा कि ठोस कार्रवाई और समाधान की जरूरत है जो एआई को अधिक टिकाऊ, कुशल और सुलभ बनाए।

भारत के बाइनरी ज्ञान की प्रशंसा

डिजिटल दुनिया पहुंची अब अपने घर: लूला

एजेंसी | नई दिल्ली

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा ने भारत के बाइनरी ज्ञान को सलाम करते हुए इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट की प्रशंसा की। गुरुवार को उन्होंने कहा कि समिट के साथ ही डिजिटल दुनिया अपने घर पहुंच गई है। भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के उद्घाटन समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठे ब्राजील के राष्ट्रपति ने इस ऐतिहासिक समारोह की तारीफ की।

राष्ट्रपति लूला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ब्राजील के लिए, भारत सरकार द्वारा आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इम्पैक्ट समिट में भाग लेना खुशी की बात है। पहली बार ग्लोबल साउथ में इस समिट को आयोजित किया गया है।

उन्होंने आगे कहा, यहां दिल्ली में, डिजिटल दुनिया अपनी भूमि पर लौट आई है। यह भारतीय गणितज्ञ थे जिन्होंने हमें 2,000 साल से भी पहले बाइनरी सिस्टम दिया था, जो आधुनिक कंप्यूटिंग को बनाने के काम आया। हम अपने समय की सबसे बड़ी दुविधाओं में से एक पर चर्चा करने के लिए वापस आए हैं। चौथी औद्योगिक क्रांति तेजी से आगे बढ़ रही है जबकि मल्टीलेटरलिज्म खतरनाक रूप से पीछे हट रहा है।

एआई समिट में विभिन्न देशों के नेताओं के साथ पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में इंडिया AI इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान दुनिया के नेताओं के साथ एक सामूहिक तस्वीर में।

मोदी के भाषण का 11 भाषा में सीधा प्रसारण

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट-2026 में गुरुवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत की प्रगति तब देखने को मिली जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का 11 भाषाओं में सीधा प्रसारण किया गया। इसके साथ ही एआई-सक्षम सांकेतिक भाषा अनुवाद की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। भारत मंडपम के सभागार में प्रधानमंत्री के पीछे लगी एक बड़ी स्क्रीन पर एआई-सक्षम सांकेतिक भाषा अनुवाद प्रदर्शित किया गया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उनका भाषण सभी के लिए सुलभ हो।

लूला ने की सुंदर पिचाई से मुलाकात

इससे पहले, लूला ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इम्पैक्ट पर समिट के दौरान गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई से मुलाकात की।मुलाकात के बाद लूला ने एक्स पर पोस्ट किया, पिचाई ने गूगल के लिए ब्राजील की अहमियत, देश में कंपनी के इन्वेस्टमेंट, साओ पाउलो में इंजीनियरिंग सेंटर खोलने और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कामों और पब्लिक सेक्टर के साथ पार्टनरशिप के बारे में बात की। हमने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए ब्राजील का विजन, डिजिटल पब्लिक सर्विसेज के क्षेत्र में सरकार के एक्शन, ब्राजीलियन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लान और डेटा सेंटर्स में निवेश लाने का प्लान पर चर्चा की।

पीएम मोदी की अबू धाबी के युवराज से मुलाकात

निवेश प्रवाह को सराहा, बढ़ेगा सहयोग

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अबू धाबी के युवराज (क्राउन प्रिंस) शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने गुरुवार को दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण द्विपक्षीय निवेश प्रवाह की सराहना की। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के 'सॉवरेन वेल्थ फंड' को भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' से इतर हुई बैठक में दोनों नेताओं ने रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, शिक्षा और सांस्कृतिक सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की सराहना की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने आपसी लाभ के लिए साझेदारी को मजबूत करने को नए सॉवरेन फंड 'एल-इमाद' की क्षमता को भी रेखांकित किया। उन्होंने अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में भारत और यूएई के बीच सहयोग के अवसरों पर चर्चा की।

उद्योग व शिक्षण संस्थाएं आए साथ

आईटी प्रतिभा को बेहतर बनाने का काम: वैष्णव

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि सरकार भारतीय आईटी उद्योग के सामने एआई के कारण उत्पन्न चुनौतियों से अवगत है और प्रतिभाओं का कौशल बढ़ाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ काम कर रही है। समिट के उद्घाटन सत्र में वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय बजट में एक बड़ा नीतिगत बदलाव घोषित किया है जिसका उद्देश्य दुनिया के डेटा को भारत में आकर्षित करना, उन्हें यहीं संग्रहित और संसाधित करना तथा यहां से उच्च-मूल्य सेवाएं वैश्विक स्तर पर उपलब्ध कराना है।

सिंगापुर की मंत्री जोसेफिन टीओ के साथ अश्विनी वैष्णव।

वेस्ट बैंक पर भारत का रुख बदला

इजराइल के 'एकतरफा' फैसलों की निंदा की

एजेंसी | संयुक्त राष्ट्र

भारत उन 100 से अधिक देशों और वैश्विक संगठनों में शुमार हो गया है जिन्होंने वेस्ट बैंक में इजराइल के 'एकतरफा' फैसलों और इसकी अवैध उपस्थिति को बढ़ाने के उद्देश्य से उठाए गए कदमों की निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन के स्थायी पर्यवेक्षक मिशन ने 100 देशों और संगठनों की ओर से एक बयान जारी कर इजराइल के एकतरफा कदमों की निंदा की और कब्जे का विरोध किया। बयान के अनुसार, हस्ताक्षरकर्ताओं ने वेस्ट बैंक में इजराइल की अवैध उपस्थिति को बढ़ाने के उद्देश्य से इजराइल के एकतरफा फैसलों और कदमों की कड़ी निंदा की। इससे पहले, 17 फरवरी को जारी बयान के माध्यम से 85 देशों ने वेस्ट बैंक में इजराइल के एकतरफा कदमों और नीतियों की निंदा की थी।

ज्ञात रहे कि भारत उन शुरुआती देशों में शामिल नहीं था जिन्होंने संयुक्त रूप से बयान जारी किया था। बाद में भारत ने भी उस संयुक्त बयान का समर्थन किया जिसका 100 से अधिक देशों और संगठनों ने समर्थन किया था।

भारत-इजराइल के रक्षा उद्योगों में रिश्ते होंगे प्रगाढ़

तेल अवीव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इसी महीने के आखिर में होने वाली इजराइल यात्रा से पहले, भारत और इजराइल ने रक्षा संबंधों को प्रगाढ़ करने और भविष्य की संगोष्ठियों तथा सहकारी पहलों सहित वर्तमान में जारी संयुक्त गतिविधियों को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रधानमंत्री मोदी 25 फरवरी को दो दिवसीय इजराइल दौरे पर पहुंचेंगे। एमओयू के तहत इजराइल के अंतरराष्ट्रीय रक्षा सहयोग निदेशालय ने भारत और इजराइल के प्रमुख रक्षा उद्योगों के बीच बैठकों की सुविधा प्रदान की है।

प्रधानमंत्री मोदी देते हैं पूर्वोत्तर को प्राथमिकता

असम के संसाधनों पर राज्य के लोगों का अधिकार, घुसपैठियों का नहीं: नवीन

एजेंसी | गुवाहाटी

भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को कहा कि असम के संसाधनों पर अधिकार केवल असम की जनता का है, न कि बांग्लादेशी घुसपैठियों का।

नवीन ने डिब्रूगढ़ जिले के मनोहरी चाय बागान में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए घुसपैठियों के खिलाफ उचित कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को वापस भेजने संबंधी मुख्यमंत्री की कार्रवाई से पता चलता है कि वह राज्य के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वोत्तर को प्राथमिकता देते हैं और इस क्षेत्र में प्रत्येक परियोजना की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करते हैं।

असमिया समुदाय अल्पसंख्यक हो जाएगा: हिमंत असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को दावा किया कि 2027 की जनगणना में असमिया समुदाय 'लगभग' अल्पसंख्यक बन जाएगा। सरमा ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान कहा कि वह 'बहुत ही कठिन समय' में राजनीति में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली असम सरकार उस 'दीपक' को जीवित रखने की कोशिश कर रही है।

'घूसखोर पंडत' का शीर्षक वापस लिया

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता नीरज पांडे द्वारा 'घूसखोर पंडत' शीर्षक एवं उससे जुड़ी सभी प्रचार सामग्री वापस लिए जाने की जानकारी दिए जाने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने इस फिल्म के खिलाफ दायर याचिका का गुरुवार को निपटारा कर दिया। न्यायाधीश बी. वी. नागरत्ना और न्यायाधीश उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने पांडे के हलफनामे को रिकॉर्ड पर लेने के बाद याचिका का निपटारा किया और उम्मीद जताई कि यह विवाद पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। पांडे ने अपने हलफनामे में कहा कि मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म का नया शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है।

सूने मकान में हुई चोरी का बड़नगर पुलिस ने 24 घंटों के भीतर किया सनसनीखेज खुलासा, सगा भतीजा निकला आरोपी

उज्जैन।

बड़नगर पुलिस ने सूने मकान में हुई 10 लाख से अधिक की चोरी के मामले में फरियादी के सगे भतीजे को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अभिषेक रंजन एवं एसडीओपी बड़नगर महेंद्र परमार के मार्गदर्शन में थाना बड़नगर पुलिस द्वारा चोरी की एक गंभीर घटना का सफल खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। विगत दिनों दिनांक 16.02.2026 को फरियादी नंदकिशोर पिता बाबूलाल अनावडिया उम्र लगभग 50 वर्ष निवासी मिर्ची बाजार, बड़नगर अपने परिवार सहित पुत्री के विवाह उपरांत आयोजित रिसेप्शन कार्यक्रम में सम्मिलित होने इंदौर गए हुए थे। जाने से पूर्व उन्होंने अपने मकान की प्रथम एवं द्वितीय मंजिल के दरवाजों पर ताले लगाकर मकान सुरक्षित किया था। घर पर उस समय उनकी माता कलाबाई एवं मौसी गीताबाई मौजूदथीं। रात्रि लगभग 12:15 बजे इंदौर से लौटने पर फरियादी को मकान का मुख्य दरवाजा खुला मिला। संदेह होने पर द्वितीय मंजिल पर जाकर देखा गया जहां ताले टूटे हुए थे एवं कमरे में रखे लॉकर का ताला तोड़कर सामान बिखरा हुआ था। जांच करने पर लॉकर में रखे सोने-चांदी के कीमती जेवरात एवं नगद राशि चोरी होना पाया गया। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना बड़नगर में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी बड़नगर निरीक्षक अशोक पाटीदार द्वारा एक विशेष पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए तथा विश्वसनीय मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया इसी क्रम में दिनांक 18.02.2026 को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि उक्त चोरी की घटना में चंद्रशेखर उर्फ चिंटू पिता राजेंद्र कटेसरिया उम्र 38 वर्ष निवासी देपालपुर जिला इंदौर, हाल मुकाम नागझिरी उज्जैन संलिप्त है। प्राप्त सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर थाना प्रभारी नागझिरी के सहयोग से आरोपी को उसके निवास स्थान नागझिरी उज्जैन से दबिश देकर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि वह फरियादी का भतीजा है। घटना के समय वह अपनी पत्नी के साथ घर आया था। उसकी पत्नी दादी के पास बैठी रही एवं आरोपी ऊपर जाकर अलमारी का ताला तोड़कर जेवरात से भरा बैग लेकर फरार हो गया। आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि फरियादी के घर दिनांक 15.02.2026 को विवाह एवं 16.02.2026 को इंदौर में रिसेप्शन होने के कारण पूरा परिवार बाहर गया हुआ था।

हिन्दू मुस्लिम एकता का परिचय देते हुए अंकित ने बचाई मुस्लिम महिला की जान

उज्जैन

पिछले दिनों इंडियन बैंक के सिक्योरिटी गार्ड अंकित भार्गव ने एक बार फिर बहादुरी दिखाते हुए एक मुस्लिम महिला की जान बचाई द्य फिलहाल महिला अस्पताल में है और खतरे से बाहर है द्य प्राप्त जानकारी के अनुसार अंकित तेरह फरवरी की रात को करीब 8:30 बजे अपने घर जा रहे थे तभी उन्हें गाड़ी अड्डा चौराहे पर एक मुस्लिम महिला जिसका नाम तबस्सुम बी पति गुलाम दस्तगीर निवासी ताजपुर था, सड़क पर घायल अवस्था में मिक्सर मशीन के नीचे पड़ी हुई दिखी द्य उसका हाथ कट चुका था और काफी खून बह रहा था। अंकित ने लगभग 15 मिनट तक एंबुलेंस का इंतजार करने के बाद बिना कुछ सोचे समझे गोल्डन आवर के अंदर ही अकेले ही उस महिला को ई-रिक्शा में डालकर चरक अस्पताल पहुंचा दिया. पुलिस पुलिस प्रशासन द्वारा यद्यपि अंकित की तारीफ तो की गई है लेकिन अभी तक मुख्यमंत्री राहवीर योजना के अंतर्गत उनका नाम प्रस्तावित नहीं किया गया है। हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल कायम करते हुए अंकित भार्गव के इस कार्य की सर्वत्र सराहना की जा रही है। प्रशासन को उनका नाम तुरंत इस योजना के लिए अनुशंसित करना चाहिए ताकि अन्य लोग भी प्रेरित हो सकें ।यहां हम आपको बता दें कि अंकित ने पूर्व में भी तीन बत्ती चौराहे पर स्थित एक चाय की दुकान में गैस सिलेंडर में आग लगने पर बहादुरी बताते हुए आग बुझाई थी और कई लोगों की जान बचाई थी।

सांसद- महापौर सहित जनप्रतिनिधियों ने छत्रपति शिवाजी महाराज जी की जयंती पर किया माल्यार्पण

बुरहानपुर।

जिले में गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जीजामाता चौराहा स्थित मां साहेब जीजाऊ एवं बाल शिवाजी की प्रतिमा पर सांसद ज्ञानेश्वर पाटील, महापौर श्रीमती माधुरी अतुल पटेल,समाजजन एवं जनप्रतिनिधियों ने माल्यार्पण किया। इस अवसर पर सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने कहा कि भारत के अमर सपूत छत्रपति शिवाजी महाराज को उनकी जयंती पर शत-शत नमन है।

उन्होंने उपस्थित समूह को शिवाजी महाराज जी के विचारों से अवगत कराते हुए कहा कि जो धर्म, सत्य, श्रेष्ठता और परमेश्वर के सामने झुकता है, उसका आदर समस्त संसार करता है। साथ ही जो व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी पूरे समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों में जुटा रहता है, उसके लिए समय स्वयं अनुकूल हो जाता है। सांसद पाटील ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज जी का अदम्य साहस, अद्भुत शौर्य और असाधारण बुद्धिमत्ता देशवासियों को युगों-युगों तक प्रेरित करता रहेगा , वे एक कुशल शासक, योग्य सेनापति और उत्कृष्ट संगठक थे, जिन्होंने सर्वसमावेशी हिंदवी स्वराज की स्थापना हेतु अपना जीवन समर्पित किया। उनका अतुल्य शौर्य और राष्ट्रनिष्ठा सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने सूबे, गांव, क्षेत्र और समाज की सीमाओं से ऊपर उठकर देश और भारत भूमि की एकता-अखंडता के लिए जीवन जिया। पराधीनता की मानसिकता को तोड़कर स्वतंत्रता की चेतना जगाने में उन्होंने अग्रणी भूमिका निभाई और संघर्ष के माध्यम से विदेशी आक्रांताओं को खदेड़ने का संदेश पूरे देश को दिया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती माधुरी अतुल पटेल, पूर्व महापौर अतुल पटेल, श्री अनिल भोसले, भाजपा युवा नेता श्री गजेंद्र पाटील, श्री मनोज टंडन,श्री आदित्य प्रजापति, डॉ दीपक वाघले, एमआईसी चेयरमैन श्री भरत इंगले,श्री दिनेश चौधरी, श्री दिनेश पाटील, श्री रविंद्र जगताप, श्री गोपाल पाटील, श्री प्रवीण गुंजाल,श्री रामदास सगरे आदि मौजूद रहे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है अरुण ने लगभग 98.37 पर्सेंटाइल प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया

बुरहानपुर

ग्राम बाकड़ी के होनहार छात्र अरुण निंगवाल, पिता श्री रमेश निंगवाल, ने देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा Joint Entrance E&amination Main (JEE Main 2026 - सत्र 1) में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है अरुण ने लगभग 98.37 पर्सेंटाइल प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकते हैं। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि ग्राम बाकड़ी, तहसील नेपानगर एवं पूरे जिला बुरहानपुर के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। इस सफलता के पीछे उनके माता-पिता का अथक परिश्रम और त्याग विशेष रूप से उल्लेखनीय है अरुण की माता एक आशा कार्यकर्ता के रूप में कार्यरत हैं, जो अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपने बच्चों की शिक्षा के लिए निरंतर मेहनत करती रही हैं। सीमित संसाधनों और व्यस्त दिनचर्या के बावजूद उन्होंने अपने बेटे को आगे बढ़ाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। पिता श्री रमेश निंगवाल ने भी सदैव प्रेरणा, मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। ऐसे परिश्रमी माता-पिता को नमन करना चाहिए, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और अपने पुत्र को बड़े सपने देखने का साहस दिया। वास्तव में, अरुण की सफलता उनके माता-पिता के संघर्ष, त्याग और संस्कारों की जीत है।

गाँव में इस उपलब्धि की खबर मिलते ही हर्ष का वातावरण बन गया। ग्राम के वरिष्ठजन, शिक्षकगण एवं समाज के गणमान्य नागरिकों ने अरुण और उनके माता-पिता को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

थाना द्वारकापुरी, इन्दौर पर बच्चा चोरी होने की भ्रामक खबर

इंदौर हर्ष सावले. मॉनिटरिंग सेल के संज्ञान में आया है फेसबुक व इंस्टाग्राम पर विगत दिनो से एक विडियो रिल्प प्रसारित कि जा रही है जिसमें बच्चा चोर गेंग द्वारा थाना द्वारकापुरी क्षेत्र में बच्चा चोरी की घटना घटीत होने के संबंध में बताया गया है। उक्त रील में वर्णित घटना के संबंध में कथित घटना स्थल के आसपास के सीसीटीव्ही फुटेज प्राप्त किये गये तथा वहा के निवासी जो कथित घटना के समय उपस्थित थें उनसे पूछताछ करने पर इस प्रकार की कोई घटना घटित होना नहीं पायी गयी थी। रील में दिख रही लडकी फुटेज में पैदल जाती दिख रही है। तथा रील अनुसार किसी मोटर सायकल सवार पुरुष या महिला द्वारा उसे नहीं रोका गया है। इस प्रकार रील वायरल करने से क्षेत्र की शांति व्यवस्था भंग होने एवं माब लिचिंग की घटना घटित होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता हैं। सोशल मिडिया पर भ्रामक विडियो आदि पोष्ट करने के संबंध में श्रीमान पुलिस कमिश्नर महोदय द्वारा निषेधाज्ञा जारी की गई है जिसका उल्लघंन ललित शर्मा द्वारा सोशल मिडिया प्लेटफार्म पर रील पोस्ट करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध किया गया है। आमजन से अपील है कि बिना तथ्यो का सत्यापन किये सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की सामग्री पोष्ट न करें।